

### हिन्दी साहित्य

GE- ।

शास्त्री- प्रथम वर्ष, (2022-23) प्रथम सत्रार्द्ध

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

लिखित पर्याक्षा - 60 अंक

आनंदिक पूल्यांकन- 40 अंक

पूल्यांक- 100 अंक

प्रश्न-पत्र- आदिकालोन एवं भवितकालोन हिन्दी साहित्य का इतिहास

कुल-4 क्रेडिट

2 क्रेडिट

खण्ड ( क )

( 1 )

- आदिकाल
- आदिकाल का उद्भव एवं विकास
- आदिकाल का नामकरण
- आदिकाल का परिवेश

( 2 )

- आदिकालीन साहित्यः
- सिद्ध-साहित्य
- जैन-साहित्य
- नाथ-साहित्य
- रासो-साहित्य
- लौकिक-साहित्य
- आदिकाल की उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

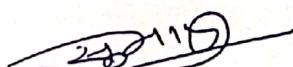
खण्ड ( ख )

( 3 )

2 क्रेडिट

- भवितकाल
- भवितकालः पूर्व पीठिका
- सीमांकन
- परिवेश- राजनीतिक स्थिति, सामाजिक स्थिति, सांस्कृतिक स्थिति
- भविता आंदोलन

अर्यगा दुबे



1 चैत्रेन्द्रिय  
2 अक्टूबर

- भवितकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- निर्णय भवितकाव्य
- ज्ञानमार्गी शाखा
- संत-काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि- कबीर, ईश्वरा, सदूदयाल, गुन्दरदास
- प्रेमाख्यान काव्य
- प्रेमाख्यान- काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रेमाख्यान काव्य परम्परा के प्रमुख कवि- मंजन, जायसी, उसमान, शेख नवी

( 4 )

- सगुण भवितकाव्य
- रामभवित काव्य
- रामभवित काव्य परम्परा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- रामभवित काव्य परम्परा के प्रमुख कवि- स्वामी रामानंद, अग्रदास, गोरखामी तुलसीदास, नाभादास
- कृष्णभवित काव्य
- कृष्णभवित कवि एवं प्रमुख सम्प्रदाय-बल्लभ सम्प्रदाय, निम्बाक्ष सम्प्रदाय, राधाबल्लभ-सम्प्रदाय, हरिदासी-सम्प्रदाय, चैतन्य-सम्प्रदाय
- कृष्णभवित काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- कृष्णभवित काव्य के प्रमुख कवि- सूरदास, नंददास
- सम्प्रदाय-निरपेक्ष कृष्ण काव्य के प्रमुख कवि- मोरांबाइ, रसखान, रहीम
- भवितकाल की उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

#### सहायक ग्रंथ-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सम्पादक: डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, मयूर, पेपरवैक्स, नई दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास-विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्टॉन प्रा.लि., नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी।
5. हिन्दी साहित्य: डॉ. धीरेन्द्र चर्मा।
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-गणपतिचन्द्र गुप्त।
7. संत काव्य-आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद।
8. जायसी-विजयदेव नारायण साही।

*अनुमति*

अर्पण दुबे

*28/1/19*